नीता अवस्थी

चाँद सितारे

आसमान के चाँद सितारे।
देखो अम्मा कितने प्यारे।।

झिलमिल करते जैसे झालर।
लगते हैं अत्यधिक मनोहर।।

शरद पूर्णिमा हो या मावस।
सर्दी गर्मी हो या पावस।।

कभी नहीं वह साथ छोड़ते।
रिश्ते अपने सदा जोड़ते।।

हर मौसम में साथ निभाते।
हम सबको भी यही सिखाते।।

सुख-दुख में मुस्काना प्यारे।
आसमान के चाँद सितारे।।

अपना हिंदुस्तान

तीन रंग से बना राष्ट्र-ध्वज,
चक्र बीच में शान है।
दुनियाँ भर में सबसे प्यारा
अपना हिंदुस्तान है।।

नियमित हम विद्यालय जाते,
करते खूब पढ़ाई।
अपने मतलब से मतलब है,
करते नहीं लड़ाई।।

नन्हें मुन्ने हैं हम बच्चे,
केशरिया परिधान है।
दुनियाँ भर में सबसे प्यारा
अपना हिंदुस्तान है।।

अपने पेड़ पहाड़ सभी हैं,
अपनी ही हरियाली।
अपने बाग-बगीचे हैं सब,
घर-घर में खुशहाली।।

अपने पोखर अपने किसलय,
खेत और खलिहान हैं।
दुनियाँ भर में सबसे प्यारा
अपना हिंदुस्तान है।।

 ISSN:2583-8849